**माँ कह एक कहानी**

**ख)** प्रस्तुत कविता में गौतम बुद्ध के पुत्र राहुल और पत्नी यशोधरा के बीच बुद्ध के जीवन की एक घटना का वर्णन किया जा रहा है | कविता में बालक के हठ करने पर माँ उसे सिद्धार्थ और उनके भाई आखेटक की कहानी सुनाती है | दोनों भाई एक हंस को लेकर आपस में संघर्ष करते हैं | दोनों हंस पर अपना - अपना पक्ष रखते हैं और राजा उचित न्याय कर हंस सिद्धार्थ को देते हैं | इस प्रकार कह सकते हैं कि मारने वाले से बड़ा रक्षा करने वाला है |

**ग)** उन्होंने उस हंस को अपनी गोदी में उठाकर उसका घाव धोया | उस पक्षी को तो मानो नया जन्म मिल गया | उसी क्षण अपने लक्ष्य सिद्ध हो जाने के गर्व में झूमता शिकारी वहाँ आया | कहानी बड़ी कोमल किन्तु कठोर है | उस आखेटक ने पक्षी माँगा लेकिन तुम्हारे पिता दयालु एवं रक्षा करने वाले थे | वह शिकारी घायल पक्षी को लेने की हठ करने लगा | अब कहानी आगे बढ़ने लगी |